गतिविधि शीट-I : गिद्ध कहाँ हैं?

(क) ग़ायब होते गिद्धों की कहानी को ध्यान से सुनें (या पढ़ें)।

- गिद्धों के बारे में कहानी में कही गई ऐसी दो बातें लिखें, जिन्हें सुनकर आप इन पक्षियों के बारे में और अधिक उत्सुक हुए। इन बातों ने आपको क्यों और अधिक जिज्ञासु बनाया?
- जब आपने कहानी सुनी (या पढ़ी) तो उस समय महसूस हुई कोई एक भावना आपको याद है? उसे लिखें।
- क्या कहानी में ऐसा कुछ था जो आप समझ नहीं पाए? या क्या आपके मन में गिद्धों के जीवन से जुड़े ऐसे कुछ प्रश्न हैं जिनके उत्तर आपको कहानी में नहीं मिले हों? अगर हाँ, तो उन्हें लिखें लें। अपने दोस्तों से और कक्षा में उन पर चर्चा करें। यदि मदद की आवश्यकता हो तो अपने शिक्षक से पूछें।

(ख) भारत में गिद्धों की नौ अलग-अलग क़िस्में (प्रजातियाँ) पाई जाती हैं। इनमें से तीन क़िस्मों की तस्वीरें नीचे दी गई हैं, जो लगभग लुप्त हो गई थीं। इनके नाम हैं : (i) लम्बी चोंच वाला गिद्ध (या भारतीय गिद्ध), (ii) पतली चोंच वाला गिद्ध और (iii) बंगाल का गिद्ध या सफ़ेद-पीठ वाला गिद्ध। कुछ समय लगाकर इन तस्वीरों को ध्यान से देखें। अगले पृष्ठ पर दी गई तालिका में इन पक्षियों के बारे में अपने अवलोकन दर्ज करें।

क

ख

ग

	(क)	(ख)	(ग)
आप पक्षी के आस-पास के वातावरण का वर्णन कैसे करेंगे?			
उसके सिर और गर्दन का वर्णन कैसे करेंगे? उनका रंग क्या है?			
चोंच का आकार कैसा है? रंग क्या है? क्या वह भारी लग रही है या हल्की? मोटी है या पतली? सीधी है या घुमावदार?			
आँखों का रंग क्या है?			
क्या आप उसके पंजे देख सकते हैं? पंजे कैसे हैं?			
क्या आपको गिद्धों में कोई और रोचक विशेषता मिली?			
क्या आपको तस्वीरों में और कुछ दिलचस्प दिखा?			
क्या आपने अपने आस-पास कभी ऐसे गिद्ध देखे हैं?			

Image credit details:

(a) Long-billed vultures in a nest. Spotted on the tower of the Chaturbhuj Temple, Orchha, Madhya Pradesh. Credits: Yann Forget, Wikimedia Commons. URL: https://en.wikipedia.org/wiki/File:Vultures_in_the_nest,_Orchha,_MP,_India_edit.jpg. License: CC BY-SA 4.0 International Deed.

(b) A slender-billed vulture. Spotted in Mishmi Hills, India. Credits: Mike Prince, Wikimedia Commons. URL: https://commons.wikimedia.org/wiki/File:Slender-billed_Vulture,_Mishmi_Hills,_India_(cropped).jpg. License: CC BY 2.0 Generic Deed.

(c) A flock of white-rumped or white-backed vultures gathered near carcass. Spotted in Mangaon, Raigad, Maharashtra, India. Credits: Shantanu Kuveskar, Wikimedia Commons. URL: https://commons.wikimedia.org/wiki/File:White-rumped_vulture_(Gyps_bengalensis)_Flock_gathered_near_carcass_Photograph_by_Shantanu_Kuveskar.jpg. License: CC BY-SA 4.0 International Deed.

i wonder...
Rediscovering school science

रचनाकार :

राधा गोपालन अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बेंगलूरु में कार्यरत हैं। वे तेलंगाना के कुडली इंटरजेनेरेशनल लर्निंग सेंटर की सदस्य भी हैं।

अनुवाद : गणेश मादुलकर **पुनरीक्षण :** उमा सुधीर **कॉपी एडिटर :** अनुज उपाध्याय

शिक्षक मार्गदर्शिका : गतिविधि शीट-1 और 2

- गतिविधि शीट-1 और 2 कक्षा 6-8 के विद्यार्थियों के लिए बनाई गई हैं।
- हर गतिविधि 2-3 दिनों में कराई जा सकती है। कुछ काम कक्षा में होंगे, कुछ कक्षा के बाहर।
- कक्षा में इन गतिविधियों को शुरू करने के तरीक़े :

  (क) विद्यार्थियों को 'ग़ायब होते गिद्ध' कहानी सुनाएँ या पढ़वाएँ। उन्हें प्रोत्साहित करें कि वे इस कहानी पर अपने समुदाय में चर्चा करें और सोचें कि सभी जीव एक-दूसरे पर और अपने पर्यावरण (जिनका वे हिस्सा हैं) पर कैसे परस्पर निर्भर होते हैं। इससे वे अपने आस-पास के सभी जीवों की, भयानक दिखने वाले जीवों की भी, कमज़ोरियों को समझने लगेंगे और उनके प्रति संवेदनशील होने लगेंगे। स्वाभाविक रूप से उनमें सहानुभूति और करुणा विकसित होगी।

  (ख) कक्षा में फ़िल्म "Vulture Trilogy, Past, Present and Future" (URL : https://www.youtube.com/watch?v=LzgNe9uMgAs&t=49s) दिखा सकते हैं। फ़िल्म 22 मिनट की है। आप पूरी फ़िल्म या उसका कुछ हिस्सा दिखा सकते हैं। इसे मोबाइल पर भी दिखाया जा सकता है।

  (ग) गतिविधि शीट-1 के लिए : यदि सम्भव हो तो गिद्धों की तस्वीरें कम्प्यूटर स्क्रीन पर दिखाएँ। यदि यह सम्भव न हो तो तस्वीरें प्रिंट कर लें, उन्हें कार्डबोर्ड या किसी सख़्त सतह पर चिपका दें और कक्षा में प्रदर्शित करें।

  (घ) गतिविधि शीट-2 के लिए : गिद्धों से जुड़ी कहानियाँ, स्थानीय परम्पराएँ या मान्यताएँ विद्यार्थियों के साथ साझा करें। विद्यार्थियों को याद दिलाएँ कि वे बड़ों और समुदाय के लोगों की बातें ध्यान से सुनें और ठीक से अपनी कॉपी में लिखें। यदि सम्भव हो तो कक्षा में किसी पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता या स्थानीय पशु चिकित्सक को बातचीत के लिए बुलाएँ।

मिडिल स्टेज विज्ञान पाठ्यपुस्तकों से सम्बन्ध :

ये गतिविधियाँ और इनके आस-पास की चर्चाएँ मिडिल स्टेज विज्ञान के निम्नलिखित अध्यायों से जोड़ी जा सकती हैं :

अध्याय-2 ('सजीव-जगत में विविधता') कक्षा-6 की विज्ञान पुस्तक (एनसीईआरटी, पुनर्मुद्रण 2024–2025) : इसमें विद्यार्थियों को प्राकृतवास (habitat) से परिचित करवाया गया है जहाँ जीव रहते हैं, खाते हैं और आश्रय लेते हैं। वे यह भी सीखते हैं कि जीवों में विशेष गुण (अनुकूलन) होते हैं जो उन्हें अपने आवास में जीवित रहने में मदद करते हैं। इस अध्याय के अन्त में 'आइए, और अधिक सीखें' खण्ड की गतिविधि-10 में विद्यार्थियों से बत्तख के पंजों को देखने और यह सोचने को कहा गया है कि ये पंजे किस काम में आते होंगे। गतिविधि शीट-1 में शिक्षक इस गतिविधि को गिद्धों तक बढ़ा सकते हैं। इसी अध्याय के 'आगे सीखें' खण्ड में विद्यार्थियों को अपने परिवार या पड़ोस के बुज़ुर्गों से बात करके यह जानने के लिए कहा गया है कि पहले कौन-से जानवर दिखाई देते थे जो अब नहीं दिखाई देते। गतिविधि शीट-2 इस पर गिद्धों के बारे में बातचीत करने का अवसर देती है।

अध्याय-5 ('पौधे और जन्तुओं का संरक्षण)' कक्षा-8 की विज्ञान पुस्तक (एनसीईआरटी, पुनर्मुद्रण 2024–2025) : इसमें विद्यार्थियों को संरक्षण से जुड़े विचारों से परिचित करवाया गया है। इसमें यह भी बताया गया है कि स्थितियाँ बदलने से (जैसे मानव गतिविधियों के कारण वनों की कटाई) जीव (और पौधे) विलुप्त हो सकते हैं। 'ग़ायब होते गिद्ध' कहानी और गतिविधि शीट-2 विद्यार्थियों को वनों की कटाई

के अलावा ऐसे अन्य कारणों को रेखांकित कर सकती है जो जन्तुओं के जीवन को ख़तरे में डालते हैं। इसमें विद्यार्थी यह भी पढ़ते हैं कि वन्यजीव अभ्यारण्य किस तरह बाघ, शेर और हाथी जैसे बड़े जीवों को बचाने में मदद करते हैं। शिक्षक इस चर्चा को बढ़ाकर बता सकते हैं कि गिद्धों को क्यों बचाना ज़रूरी है और गिद्ध अभ्यारण्य की इसमें क्या भूमिका हो सकती है।[2]

अध्याय-2 ('The Invisible Living World : Beyond Our Naked Eye') कक्षा-8 की विज्ञान पुस्तक (एनसीईआरटी, पुनर्मुद्रण 2025–2026) : इसमें विद्यार्थियों को रोग पैदा करने वाले जीवाणु, बीमारियों का फैलाव और मृत पौधों व जानवरों के विघटक व पुनर्चक्रण करने वालों के रूप में सूक्ष्मजीवों की भूमिका से परिचित करवाया गया है। शिक्षक विद्यार्थियों से गिद्ध और सूक्ष्मजीवों की अपघटन में भूमिकाओं में तुलना करने को कह सकते हैं। इस पर आगे यह भी चर्चा हो सकती है कि गिद्ध बीमारियों के फैलाव को रोकने में कैसे मदद करते हैं।[3]

References:

1. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद (पुनर्मुद्रण 2025–2026)। 'अध्याय-2 : सजीव-जगत में विविधता'। जिज्ञासा, कक्षा-6 की विज्ञान पाठ्यपुस्तक : 9-34 : URL: https://ncert.nic.in/textbook.php?fhcu1=2-12
2. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद (2024–2025)। 'अध्याय-5 : पौधे एवं जन्तुओं का संरक्षण'। कक्षा-8 की विज्ञान पाठ्यपुस्तक : 53-65 : URL: https://ncert.nic.in/textbook/pdf/hhsc105.pdf
3. National Council of Educational Research and Training (2025-2026). 'Chapter 2 : The Invisible Living World : Beyond Our Naked Eye'. Curiosity, Textbook of Science for Grade VIII : 8-27. URL: https://ncert.nic.in/textbook.php?hecu1=2-13

रचनाकार :

राधा गोपालन अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बेंगलूरु में कार्यरत हैं। वे तेलंगाना के कुडली इंटरजेनेरेशनल लर्निंग सेंटर की सदस्य भी हैं।

अनुवाद : गणेश मादुलकर **पुनरीक्षण :** उमा सुधीर **कॉपी एडिटर :** अनुज उपाध्याय